SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: We are not satisfied with his reply. We stage a walk-out.

SHRI SUKOMAL SEN: Sir, he has not given any assurance. In protest we stage a walk-out.

SHRI ASHIS SEN: The reply of the Minister is not satisfactory. We stage a walkout.

(At this stage some hon. Members left the Chamber)

श्री संघ प्रिय गौतम: इन्होंने कोई एश्योरस नहीं दिया था, आज भी कोई एश्योरेंस नहीं दिया इस लिए मैं सदन में से वाक आउट करता हूं ।

[ईस अवसर पर माननीय सदस्य सदन से चले गए]

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : एक बात मैं केवल मंत्री जी को कह दूं कि बड़े लोगों के लिए, बड़े शहरों के लिए संचार की व्यवस्था, टेलीफोन आपका काम कर रहा है, बड़े बैंक भी काम कर रहे हैं लेकिन गरीब लोग जो रहते हैं उनके लिए या तो मनीआर्डर या 15 पैसे का पोस्टकार्ड बहुत बड़ी चीज रहती है। तो हमारा यह कहना है कि आपकी सिसियरिटी है, इधर से भी काफी मांग है, रास्ता आप जरूर निकालें लेकिन हमारा इतना बड़ा कम्यूनिकेशन ठप्प हुआ है तो पूरे देश पर इसका असर पड़ेगा। आप बड़े सिसियर हैं, इसमें कोई दो राय नहीं हैं, लेकिन यह विचारणीय है कि इसका आनब रेबल रास्ता निकालकर जल्दी से इसका समाधान होना चाहिए ।

श्री सुख राम : राजनीति से ऊपर उठकर लोग सहयोग दें, सोचें तो रास्ता मुश्किल नहीं है ।

उपसभाध्यक्ष श्री शंकर दयाल सिंह) : संसदीय कार्य राज्य मंत्री उपस्थित है उनसे कहूंगा वह सप्लीमेंटरी लिस्ट आफ बिजनैस रखें ।

Proclamation revoking the earlier Proclamation in relation to the State of Madhya Pradesh

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): Sir on behalf of Shri S. B. Chavan, I lay on the Table under clause (3) of article 356 of the Constitution, a copy (in Einglish and Hindi) of the Proclamation (G.S.R. No. 734(E)) issued by the President under clause (2) of the said article on the 7th December, 1993, revoking the Proclamation made by him on the 15th December, 1992 in relation to the State of Madhya Pradesh.

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : अब सदन की कार्रवाई कल प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

The House then adjourned at twenty-five minutes past seven of the clock till eleven of the clock on Wednseday, the 8th December, 1993.